राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने खुदाबख्श ओरिएन्टल लाईब्रेरी के नवनिर्मित उपभवन का उद्घाटन किया

पटना, 12 जून 2017

''हम पुस्तकालय में पहुँचकर किताबों से जो रिश्ता बनाते हैं, वह कई मायनों में विशिष्ट होता है। पुस्तकों के साथ इंटरनेटी रिश्ता भावनात्मक नहीं बन पाता। कठिनाईपूर्वक, थोड़ी मेहनत–मशक्कत के बाद किसी के साथ कायम किया गया रिश्ता ज्यादा संवेदनशील होता है, गहराई वाला होता है –बात चाहे इन्सानी रिश्ते की हो या फिर किताबों के साथ रिश्ते की।'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने स्थानीय खुदाबख्श ओरिएन्टल लाईब्रेरी के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि खुदाबख्श साहब ने जब पुस्तक और इंसान के बीच रिश्ते को गहराई से समझा था, तभी इस पुस्तकालय की स्थापना की थी। यह लाईब्रेरी कुछ खास धरोहरों की तरह आज बिहार की पहचान बन चुकी है। श्री कोविन्द ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी इस धरोहर को सजाने–सँवारने के प्रति और ज्यादा संजीदगी से विचार करें।

राज्यपाल श्री कोविन्द ने कहा कि संस्थापना के समय इस पुस्तकालय में 4000 पाण्डुलिपियाँ थीं, जिनकी संख्या में निरंतर वृद्धि होती गई है और अभी 21000 से अधिक पाण्डुलिपियाँ यहाँ सुरक्षित हैं, जिनमें अरबी और फारसी के साथ उर्दू, उजबेक, हिन्दी और संस्कृत भाषाओं की दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के आधुनिकीकरण के लिए विगत दो दशकों में कई महत्वपूर्ण प्रयास हुये हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों के Digitization की प्रक्रिया है, जिसका पहला चरण अब सम्पन्न हो चुका है और अब कई पुस्तकों की इसकी छाया–प्रतियाँ इन्टरनेट द्वारा पाठकों और शोधार्थियों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था हो रही है। इस पुस्तकालय में विभिन्न भाषाओं और विषयों की लगभग तीन लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो शोधार्थियों और पाठकों के लिए बेहद उपयोगी हैं।

राज्यपाल ने कहा कि नये एनेक्सी भवन (उप–भवन) के निर्माण से पुस्तकालय में पाठकों के लिए विभिन्न सुविधाएँ बढ़ जायेंगी और प्रशासनिक कार्यों में भी सहूलियत होगी उन्होंने कहा कि खुदाबख्श जी की वसीयत के अनुरूप पुस्तकालय परिसर में आधारभूत संरचनाएँ विकसित कर इसे विश्वस्तरीय बनाया जायेगा।

कार्यक्रम में बोलते हुए लाईब्रेरी बोर्ड के सदस्य डॉ॰ रजी अहमद ने कहा कि पुस्तकालय तेजी से प्रगति–पथ पर अग्रसर है और इसकी ख्याति निकट भविष्य में और अधिक बढ़ेगी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पुस्तकालय को शीघ्र पूर्णकालिक निदेशक केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से उपलब्ध हो जायेंगे। कार्यक्रम में पुस्तकालय के वर्तमान निदेशक और पटना के प्रमंडलीय आयुक्त श्री आनंद किशोर ने पुस्तकालय के विकास की भावी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम को पूर्व निदेशक प्रो॰ इम्तेयाज अहमद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ॰ ई॰एल॰एस॰एन॰ बाला प्रसाद भी उपस्थित थे।

....